अध्याय - 4 वन्य-समाज और उपनिवेशवाद

स्मरणीय तथ्य

- पृथ्वी का फेफड़ा कहे जाने वाले वन हमारे लिये बहुत उपयोगी हैं।
- वनों के लुप्त होने को वन विनाश कहते हैं ।
- औपनिवेशिक काल में वनों को काटने की प्रक्रिया व्यापक तथा व्यवस्थित हो गई ।
- उन्नीसवीं सदी में यूरोप में बढ़ती शहरी आबादी का पेट भरने के लिये बड़े पैमाने पर जंगल साफ कर खेत बनाये गये ।
- उन्नीसवीं सदी के शुरुआत में औपनिवेशिक सरकार ने जंगलों को अनुत्पादक समझा ।
- उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक इंग्लैण्ड में बलूत (ओक) के जंगल अत्यधिक कटाई की वजह से लुप्त होने लगे थे।
- 1850 के दशक में रेल लाईनों के प्रसार के लिये बड़े पैमाने पर वनों को काटा गया ।
- चाय, कॉफी और रबड़ के बागान बनाने के लिये यूरोप में प्राकृतिक वनों का भारी हिस्सा साफ किया गया ।
- बाद में अंग्रेजों को इस बात की चिंता हो गई कि स्थानीय लोगों द्वारा जंगलों का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से जंगल नष्ट हो जाएँगे।
- इसलिए उन्होंने डायट्रिच ब्रैंडिस नामक जर्मन विशेषज्ञ को देश का पहला वन महानिदेशक नियुक्त किया ।
- ब्रैंडिस ने 1864 ई. में भारतीय वन सेवा की स्थापना की और 1865 ई. के भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबद्ध करने में सहयोग दिया ।
- इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में जिस पद्धति की शिक्षा दी जाती थी उसे 'वैज्ञानिक वानिकी' कहा जाता था ।
- आज के पारिस्थितिकी विशेषज्ञों का मानना है कि वैज्ञानिक वानिकी सही नहीं था ।
- वैज्ञानिक वानिकी के नाम पर विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया और इनकी जगह पर सीधी पंक्ति में एक ही किस्म के पेड़ लगा दिए गए । इसे बागान कहा जाता है ।
- 1865 ई. में वन अधिनियम के लागू होने के बाद इसमें दो बार संशोधन किए गए - पहला 1878 ई. में और दूसरा 1927 ई. मे।
- एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका के अनेक भागों में झूम या घूमंतू खेती की प्रथा प्रचलित थी ।
- दक्षिण-पूर्वी एशिया में घुमंतू कृषि को लादिंग, मध्य अमेरिका में मिलपा, अफ्रीका में चित्रमेन या तावी व श्रीलंका में चेना कहा जाता है ।
- हिंदुस्तान में घुमंतू खेती के लिये धया, पेंदा बेवर, नेवड़, झूम, पौडू, खंदाद और कुमरी आदि नामों से जाना जाता है ।
- सरकार ने घुमंतू खेती पर रोक लगाने का फैसला किया।
- वन कानूनों के पहले जंगलों में या उनके आसपास रहने वाले बहुत सारे लोग शिकार करके जीवनयापन करते थे। अब यह पारंपरिक प्रथा गैर कानूनी हो गया ।
- एक तरफ वन कानूनों ने लोगों को शिकार के परंपरागत अधिकार छीन लिये गये वहीं बड़े जानवरों का आखेट एक खेल बन गया ।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान शिकार का चलन इस पैमाने तक बढ़ा कि कई जंगली प्रजातियाँ लगभग पूरी तरह लुप्त हो गईं ।
- अंग्रेजों का मानना था कि खतरनाक जानवरों को मारकर वे हिंदुस्तान को सभ्य बनाएँगे ।
- काफी समय बाद पर्यावरणवादियों ने आवाज उठाई कि जंगली जानवरों की हत्या नहीं की जानी चाहिए ।
- मध्यकाल से ही आदिवासी समुदाय द्वारा वन उत्पादों का व्यापार होता था किंतु अंग्रेजों ने व्यापारिक कंपनियों को वन-उत्पादों के व्यापार की इजारेदारी सौंप दी ।
- हिंदुस्तान और दुनिया भर में वन्य समुदायों ने अपने ऊपर थोपे गये बदलावों के खिलाफ बगावत की ।
- औपनिवेशिक सरकार ने 1905 ई. में जब जंगल के दो-तिहाई हिस्से को आरक्षित करने, घुमंतू खेती को रोकने और शिकार व वन्य-उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी लगाने का प्रस्ताव रखा तो बस्तर के लोग बहुत परेशान हो गए।
- 1910 ई. में गुंडा धूर के नेतृत्व में बस्तर इलाके में आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया।
- अंग्रेजों को बस्तर विद्रोह पर काबू पाने में तीन महीने लग गये।
- इंडोनेशिया एक डच उपनिवेश था।
- इंडोनेशिया का एक मुख्य द्वीप जावा में कलांग समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और घुमंतू किसान थे।
- वन-कानून के खिलाफ कलांग समुदाय 1770 ई. में एक डच किले पर हमला कर प्रतिरोध किया।
- इंडोनेशिया में 1890 ई. के आसपास, सुरोन्तिको सामिन ने जंगलों पर राजकीय मालिकाने पर सवाल खड़ा करना प्रारंभ कर दिया।
- सुरोन्तिको सामिन का मानना था कि चूँकि हवा, पानी जमीन और लकड़ी राज्य की बनाई हुई नहीं हैं इसलिए उन पर उसका अधिकार नहीं हो सकता।
- भारत में वन विभाग ने अंग्रेजों की जंगी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेतहाशा पेड़ काटे।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. चॉकलेट में इस्तेमाल होने वाला तेल किस पौधे के बीजों से निकलता है?

a. साल b. शीशम
c. महुआ d. नीम

2. वनों के लुप्त होने को सामान्यतः क्या कहते हैं?

a. वनोन्मुलन b. वन-विनाश
c. वन-ह्रास d. इनमें से कोई नहीं।।

3. सन् 1600 ई. में हिन्दुस्तान के कुल भू-भाग के लगभग कितने हिस्सों पर खेती होती थी?

a. 1/2 b. 1/4
c. 1/6 d. 1/8

4. आज भारत के लगभग कितने भागों में कृषि होती है?

a. 1/2 b. 1/4
c. 1/6 d. 1/8

5. उन्नीसवीं शताब्दी के शुरूआत तक इंग्लैण्ड में किसके जंगल लुप्त होने लगे थे?

a. साल b. शीशम
c. बलूत (ओक) d. नीम

6. भारत में रेल लाइनों का प्रचार किस दशक में प्रारम्भ हुआ?

a. 1840 ई. b. 1850 ई.
c. 1870 ई. d. 1880 ई.

7. मद्रास प्रेसीडेन्सी में 1850 ई. के दशक में प्रतिवर्ष लगभग कितने पेड़ स्लीपरों के लिये काटे जाते थे?

a. 30000 b. 40000
c. 50000 d. 35000

8. एक मील लंबी रेल की पटरी बनाने के लिए कितने स्लीपरों आवश्यकता पड़ती थी ?

a. 1000-1500 b. 1500-1700
c. 1760-2000 d. 2000-2500

9. औपनिवेशिक दौर में किसका इस्तेमाल भारी भरकम लकड़ी को उठाने के लिए किया जाता था?

a. मनुष्यों का। b. घोड़ों का।
c. ऊँटों का। d. हाथियों का।

10. नॉदर्न स्टेट रेलवे कहाँ से कहाँ तक थी?

a. लाहौर से सुक्कूर b. लाहौर से मुल्तान
c. मुल्तान से सुक्कूर d. लाहौर से अमृतसर

11. मुल्तान से सुक्कूर के बीच कौन-सी रेलवे लाईन का निर्माण हुआ था?

a. इंडस वैली रेलवे b. नॉर्दन स्टेट रेलवे
c. उत्तर रेलवे d. उत्तर-पश्चिम रेलवे

12. भारत का पहला वन महानिदेशक कौन था?

a. चन्द्र प्रकाश गोयल b. डायट्रिच ब्रैंडिस
c. लॉर्ड मैकाले d. वारेन हेस्टिंग्स

13. भारतीय वन सेवा की स्थापना कब हुई?

a. 1860 ई. b. 1862 ई.
c. 1864 ई. d. 1865 ई.

14. 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट' की स्थापना कहाँ हुई थी?

a. हरिद्वार b. शिमला
c. देहरादून d. नैनीताल

15. 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट' की स्थापना कब हुई थी?

a. 1906 ई. b. 1908 ई.
c. 1910 ई. d. 1912 ई.

16. भारतीय वन अधिनियम कब आया?

a. 1860 ई. b. 1862 ई.
c. 1864 ई. d. 1865 ई.

17. 1865 ई. में वन अधिनियम के लागू होने के बाद अभी तक कितने संशोधन किये जा चुकें हैं?

a. एक b. दो
c. तीन d. चार

18. 1878 ई. में वन अधिनियम संशोधन के अनुसार जंगल को कितने श्रेणियों में बाँटा गया था?

a. एक b. दो
c. तीन d. चार

19. 1865 ई. के वन अधिनियम में दूसरी बार संशोधन कब हुआ?

a. 1878 ई. b. 1927 ई.
c. 1937 ई. d. 1945 ई.

20. सबसे अच्छे जंगल को क्या कहा जाता था?

a. आरक्षित b. सुरक्षित
c. ग्रामीण d. इनमें से कोई नहीं।।

21. महुआ के किस भाग को खाया जाता है और जिसका इस्तेमाल शराब बनाने के लिए भी किया जाता है?

a. जड़ b. पत्ती
c. फूल d. बीज

22. महुआ के किस भाग से तेल बनाया जाता है?

a. जड़ b. पत्ती
c. फूल d. बीज

23. छतरी तथा टोकरी बनाने के लिए कौन-से पोधे का इस्तेमाल किया जाता है?

a. नीम b. बाँस
c. साल d. महुआ